जूलियस सीज़र

एम्मा फिशेल

जूलियस सीज़र

पिछले दो हजार वर्षों में दुनिया भर में कई महान नेता हुए हैं. युद्धकाल में और शांति के समय में भी महान नेता हुए हैं.

और उनमें से एक महानतम नेता जूलियस सीजर थे.

जूलियस सीजर का जन्म रोम नामक शहर में हुआ था. रोम के लोग लैटिन भाषा बोलते थे.

रोम देश की राजधानी का नाम इटली था. पर दो हजार साल पहले भी वो एक बड़ा और शक्तिशाली शहर था.

एक बच्चे के रूप में, सीज़र ने रोमन होने का क्या मतलब है वो सीखा होगा.

सीज़र भाग्यशाली था कि वो एक लड़का पैदा हुआ. क्योंकि उन दिनों लड़कियों को उतना महत्वपूर्ण नहीं माना जाता था.

वो एक पेट्रीशियन परिवार में पैदा हुआ इसलिए वो और भी भाग्यशाली था. क्योंकि रोम में पेट्रीशियन लोग सबसे शक्तिशाली थे.

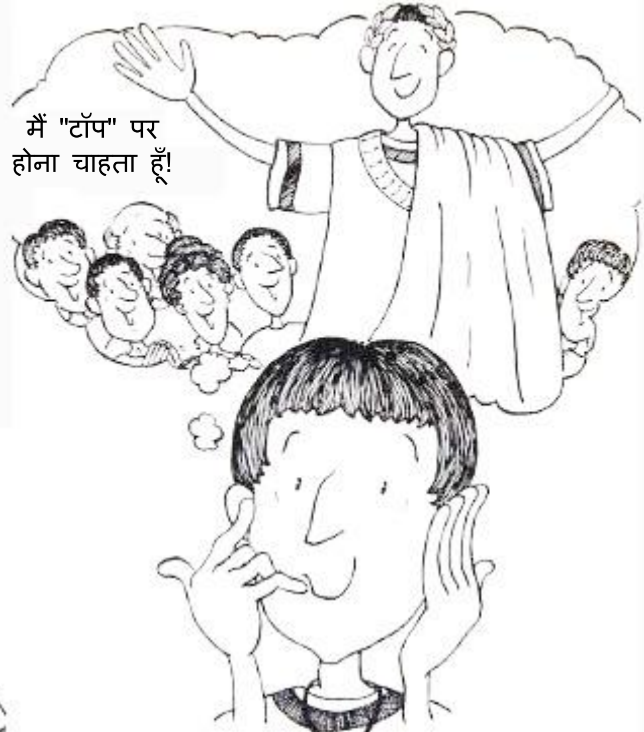

तब लोग किस प्रकार की नौकरी करते थे यह उनके परिवार पर निर्भर करता था. यदि आप किसी अमीर परिवार से होते, तो आपको एक महत्वपूर्ण नौकरी मिल सकती थी.

अधिकांश पेट्रीशियन लड़कों को घर पर ही पढ़ाया जाता था और उनकी पढ़ाई जल्द ही शुरू हो जाती थी.

सीज़र को पता था कि बड़े होकर अच्छे भाषण देने से उसे सफलता मिलेगी, इसलिए उसने भाषण देने का कठिन अभ्यास किया.

सीज़र ने वे सभी सामान्य चीज़ें सीखीं जो आज के बच्चे सीखते हैं. उसके अलावा उसने अन्य चीजें भी सीखीं, जैसे दर्शनशास्त्र, ग्रीक भाषा और सार्वजनिक भाषण.

सीज़र के चाचा, मारियस, एक जनरल और सीनेट के नेता थे. सीनेट वो स्थान था जहाँ रोम के रईस लोग इस बात पर चर्चा करते थे कि रोम पर कैसे शासन किया जाए.

सीनेट के सदस्यों को सीनेटर कहा जाता था. उनमें से ज्यादातर लोग चंद कुलीन परिवारों से आते थे.

मारियस कुछ नए लोगों को आने देना चाहता था. इसने उसे कुछ सीनेटरों के बीच बहुत अलोकप्रिय बना दिया. लेकिन साधारण लोग उसे बहुत प्यार करते थे. मारियस ने गरीब लोगों को सेना में भर्ती किया और उन्हें इनाम के रूप में जमीन दी.

मारियस का एक महान शत्रु था. वो एक बहुत ही महत्वपूर्ण सेनापति था और उसका नाम सुल्ला था.

मारियस और सुल्ला दोनों लोग, रोम के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति बनना चाहते थे - और दोनों के पास अपनी बड़ी-बड़ी सेनाएँ थीं.

जब सीज़र बड़ा हो रहा था तब उन सेनाओं के बीच भयानक युद्ध हुए थे.

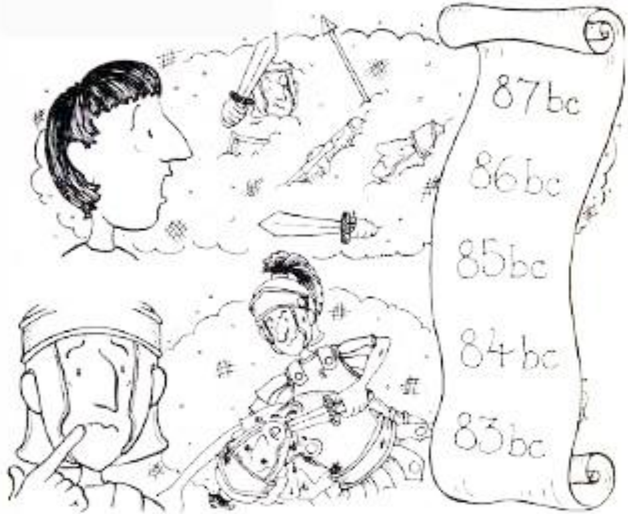

अंत में सुल्ला की जीत हुई. "मेरे दुश्मनों को बिना मुकदमे के मार डालो!" उसने आदेश दिया.

सीज़र जानता था कि उसे कुछ समय के लिए रोम छोड़ना होगा, नहीं तो सुल्ला उसे भी मार सकता था.

पर तीन साल बाद सुल्ला की मृत्यु हो गई. फिर सीज़र रोम वापस लौटा. अब उसे क्या करना था वो सीज़र को पता था.

"सेना और राजनीति में नौकरियों के लिए लोगों को भर्ती करो!" उसने कहा. "वही ऊपर पहुँचने का रास्ता है!"

फिर धीरे-धीरे करके उसने अपना नाम कमाना शुरू किया.

सीज़र ने कई युद्ध लड़े और वीरता के पदक जीते. वो एक सफल वकील भी था.

जब सीज़र लगभग पच्चीस साल का था तब उसे समुद्री लुटेरों ने पकड़ लिया.

लुटेरों ने उसे छोड़ने के लिए मोटी रकम की मांग की.

सीज़र उनसे डरा नहीं.

"एक दिन मैं तुम सबको मार डालूँगा!" उसने कहा.

समुद्री डाकू बस उस पर हँसे. उन्हें इस बात पर विश्वास नहीं हुआ कि सीज़र ऐसा कर पाएगा.

रिहा होने पर सीज़र ने डाकुओं को पकड़ लिया. फिर सीज़र ने उनमें से हरेक डाकू को मरवा डाला.

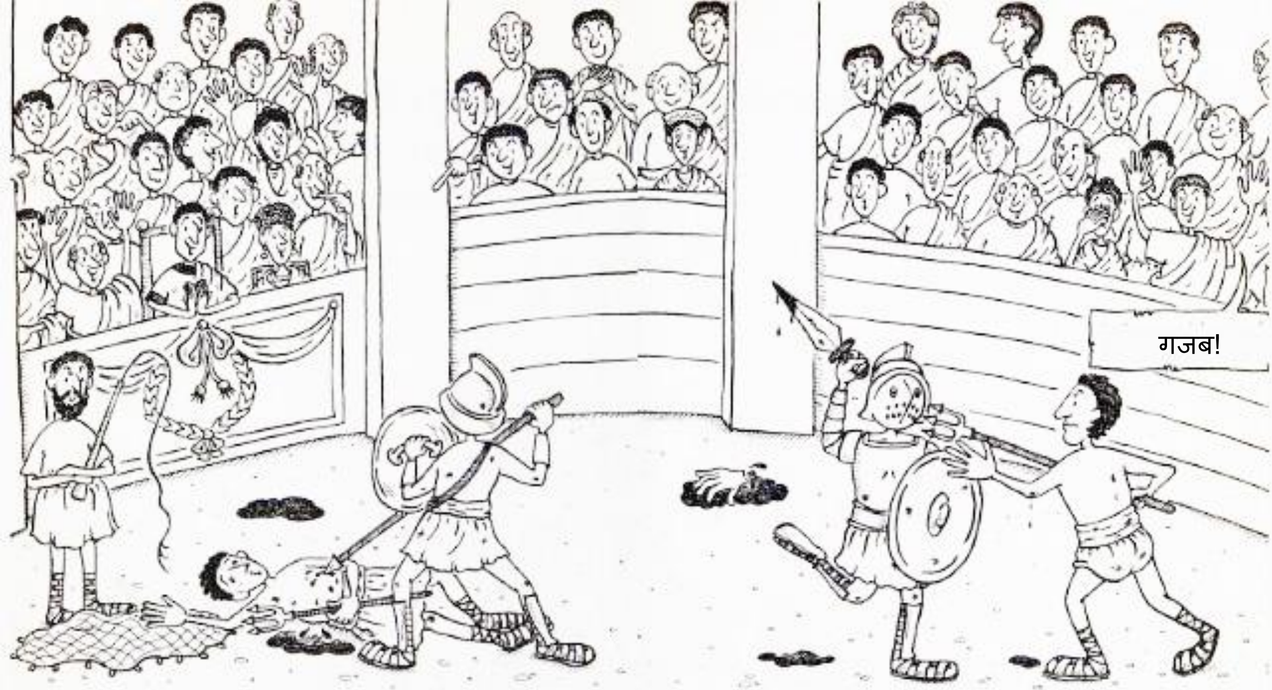

अन्य शक्तिशाली रोमनों की तरह, सीज़र ने लोगों के बीच खुद को लोकप्रिय बनाने के लिए कड़ी मेहनत की. उसने लोगों को मुफ्त मनोरंजन मुहैया कराया जिससे उसपर बहुत कर्ज चढ़ गया.

रोम के लोगों को तेज और भयानक रथ दौड़ देखना पसंद थी. ग्लेडिएटर की लड़ाई भी उन में लोकप्रिय थी. उस लड़ाई में लोग आपस में अपनी मौत होने तक लड़ते थे.

सीज़र लगातार सत्ता की सीढ़ी चढ़ रहा था.

रोम के दो सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति एक-दूसरे को ज्यादा पसंद नहीं करते थे, और न ही वे एक-दूसरे पर भरोसा करते थे.

लेकिन वे दोनों लोग सीज़र पर भरोसा करते थे.

ऐसे शक्तिशाली दोस्तों के कारण सीज़र सत्ता की सीढ़ी पर तेज़ी से चढ़ा. फिर उसे एक कौंसल बनाया गया.

कौंसल को सम्पूर्ण सेना और सरकार का प्रभारी बनाया गया. अब सीज़र रोम के सबसे महत्वपूर्ण लोगों में से एक बन गया.

अब तक सीज़र चालीस साल का हो चुका था. कौंसल के रूप में उसका साल बहुत व्यस्त रहा था.

जब यह समाप्त हुआ, फिर सीज़र को सेना की कमान सौंपी गई. उसके बाद उसने दस वर्षों तक लंबी और भयंकर लड़ाई शुरू की.

सीज़र अपनी सेना पर सख्त था, लेकिन वो निष्पक्ष था. सैनिक उससे प्यार करते थे.

"वो हमारे साथ खाता है, हमारे साथ चलता है, वो युद्ध में सबसे आगे रहता है और वो हमें समय पर पैसे देता है!" सैनिकों ने कहा.

और जब सैनिक आराम कर रहे होते थे तो सीज़र काम करता था.

सीज़र और उसकी सेना, गॉल नामक स्थान पर थी, जो अब फ्रांस में है. वो एक विभाजित भूमि थी, जो भयंकर और लड़ाकू जनजातियों से भरी थी.

गॉल चतुर लड़ाके थे. लेकिन सीज़र भी एक अच्छा सेनापति था.

सीज़र ने सुनिश्चित किया कि उसकी जीत की सभी खबरें रोम वापस जाएं - और उसके सारे महत्वपूर्ण कैदी भी.

सीजर, ब्रिटेन को भी जीतना चाहता था. वो वहां दो बार गया लेकिन दोनों बार भयानक तूफानों ने उसके तमाम जहाजों को तबाह कर दिया.

पहली बार उसने लंबे समय तक लड़ाई नहीं लड़ी.

दूसरी बार वो एक बड़ी सेना लेकर लौटा और उसे अधिक सफलता मिली - लेकिन उतनी नहीं, जितनी वो चाहता था.

हालाँकि रोम को वो सब कुछ पसंद नहीं आया.

जबकि सीज़र दूर था तब रोम में हालात काफी बदल गए थे. क्रैसस की मृत्यु हो गई थी और पोम्पी को सीज़र की सफलता से जलन हो रही थी.

कई लोगों ने सोचा कि सीज़र की वापसी पर उसे फिर से कौंसल बनाया जाएगा. हालांकि कुछ लोगों ऐसा नहीं चाहते थे और उन लोगों की बात ही पोम्पी सुनता था.

सीज़र ने स्थिति को सुधारने के लिए अपने एक दोस्त को रोम भेजा.

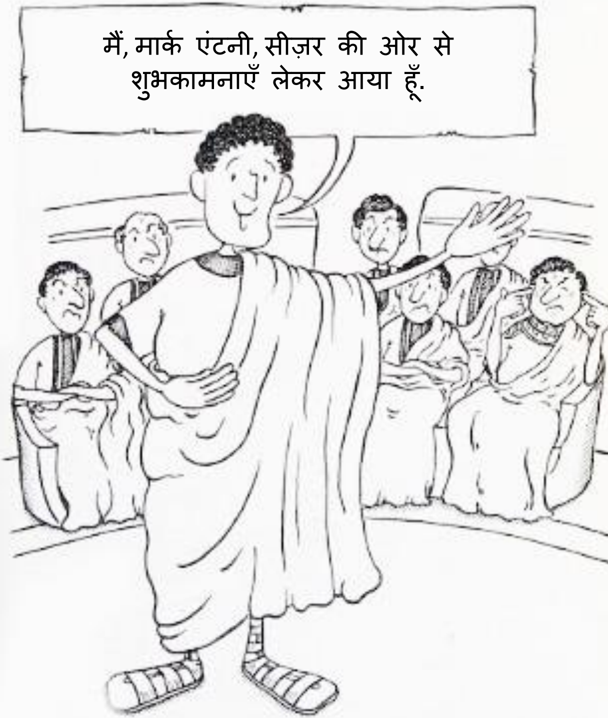

लेकिन उससे कोई फ़ायदा नहीं हुआ.

सीज़र ने रूबिकॉन नामक नदी के तट पर अपना डेरा डाला. वो नदी, गॉल को इटली से विभाजित करती थी, जहां पोम्पी था.

सीज़र जानता था कि अगर उसकी सेना ने बिना अनुमति के नदी पार की तो उसका मतलब पोम्पी और रोम के साथ युद्ध होगा.

अंत में सीज़र ने अपना मन बना लिया.

"मैं एक बड़ा भयानक काम करने जा रहा हूँ," उसने कहा.

फिर उसने नदी पार की.

रोम की ओर बढ़ते समय कई अन्य सैनिक सीज़र की सेना में शामिल हो गए.

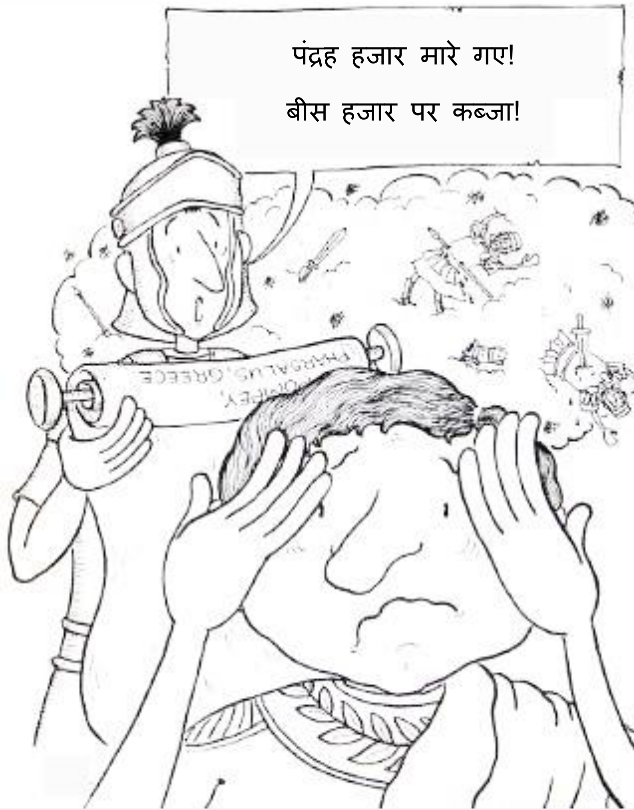

लगभग दो साल की भयंकर लड़ाई के बाद सीज़र की जीत हुई - लेकिन एक भयानक कीमत पर.

पोम्पी, मिस्र भाग गया. सीज़र ने उसका पीछा किया. सीज़र उसे क्षमा करना चाहता था...

लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी.

सीज़र, मिस्र में और दो वर्ष तक रहा. वहां सत्ता के लिए भीषण लड़ाई चल रही थी.

"सिंहासन सही मायने में क्लियोपेट्रा का है, जिसे उसके भाई टॉलेमी ने जब्त कर लिया है!" सीज़र ने कहा.

सीज़र ने क्लियोपेट्रा की, सिंहासन वापस पाने में मदद की.

उनका एक बेटा भी हुआ.

पोम्पी के कुछ समर्थकों ने उत्तरी अफ्रीका में सीज़र से लड़ने की कोशिश की. उसमें एक और साल बीत गया, लेकिन अंत में सीज़र ने उन सभी को कुचल दिया.

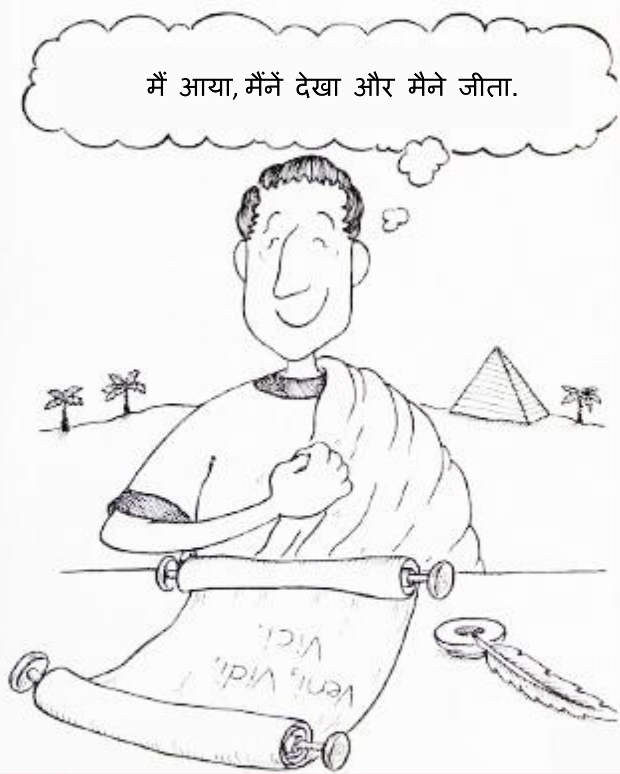

सीज़र ने युद्धों से बहुत से नए स्थानों पर विजय प्राप्त की. अब रोम का शासन एक बड़ी भूमि पर फैल गया था.

इस बार सीज़र की वापसी पर उसके साथ अच्छा व्यवहार किया जाएगा.

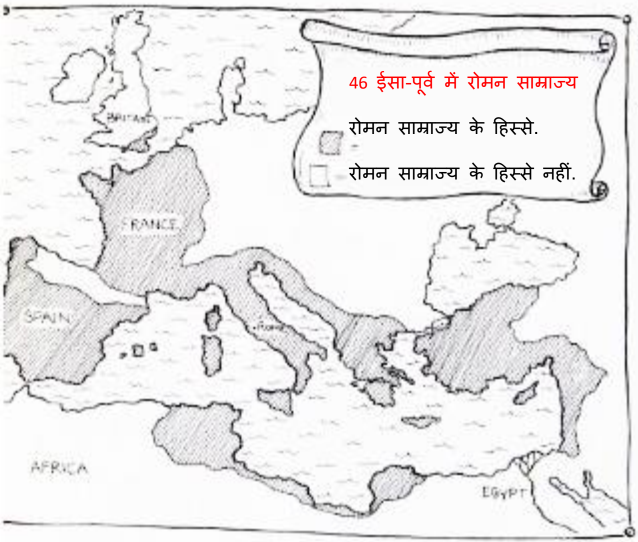

सीज़र को रोम का पूर्णकालिक शासक, रोम का तानाशाह बनाया गया. पहले भी कुछ लोगों को तानाशाह बनाया गया था, लेकिन सिर्फ अल्पकाल के लिए. जूलियस को आजीवन तानाशाह बनाया गया. अब उसे कोई यह नहीं बता सकता था कि वो क्या करे!

सीज़र अब लगभग पचपन साल का था.

"काम करने के लिए!" उसने कहा. "मैं रोम और उसके समस्त लोगों के लिए व्यवस्था, शांति और धन लाऊंगा."

लेकिन कई अमीर और कुलीन लोग सीज़र से दुखी थे. "वो सोचता है कि वो राजा है! वो हमें पैसा कमाने से रोकता है," उन्होंने कहा.

फिर कुलीन लोग साजिश रचने लगे.

"उस तानाशाह को अब मारना चाहिए!" उन्होंने कहा. "लेकिन उसे इसकी बिल्कुल हवा नहीं लगनी चाहिए. उसके दोस्तों को ही उस पर पहला वार करना होगा!"

सीज़र के दोस्तों को शुरू में मनाना मुश्किल हुआ, लेकिन आखिर में वे मान गए.

"रोम को अकेले एक आदमी द्वारा शासित नहीं किया जाना चाहिए," उन्होंने दुखी होकर कहा. "सबसे अच्छा यही होगा कि हम उसे मार डालें."

फिर तिथि निर्धारित की गई. जगह भी तय की गई.

फिर वो दिन आया.

"सीज़र, आज सीनेट में मत जाओ," उसकी पत्नी, कैलपर्निया ने उससे भीख माँगी. "आज कुछ भयानक होगा. मैंने उसका सपना देखा है."

फिर भी सीजर गया.

"इसे एक बार ज़रूर पढ़ो, सीज़र," रास्ते में एक आदमी ने सीज़र को एक कागज़ का टुकड़ा देते हुए याचना की. उस आदमी ने सीज़र को उसे मारने की साजिश के बारे में चेतावनी भी दी.

लेकिन सीजर को उस कागज़ को पढ़ने का मौका ही नहीं मिला.

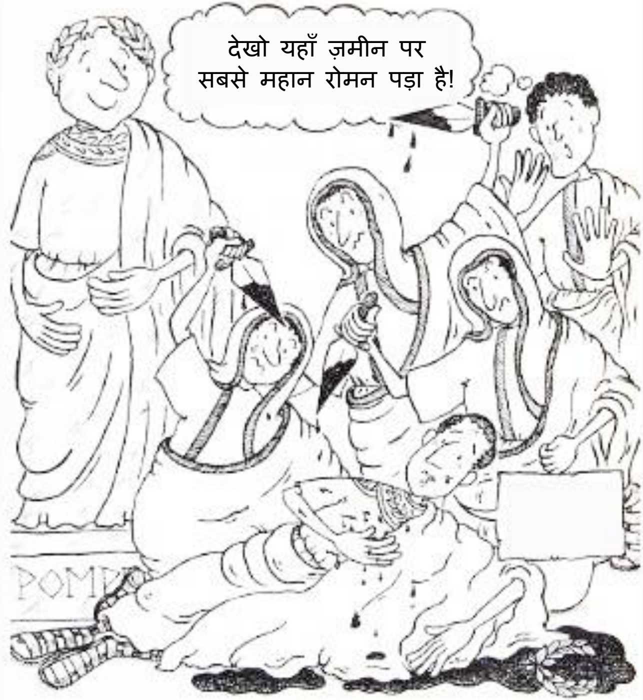

जैसे ही सीजर ने सीनेट के अंदर कदम रखा उसकी चाकू मारकर हत्या कर दी गई. पोम्पी की मूर्ति के पैर के पास तेईस चाकू के घावों से उसकी मृत्यु हो गई.

आगे के तथ्य

आगे क्या हुआ?

सीज़र के मारे जाने के बाद रोम में सत्ता के लिए एक बड़ी लड़ाई हुई. अंत में, सीजर का भतीजा ऑक्टेवियन जीता और वो रोम के सम्राट बना.

सीज़र लेखक

सीज़र ने गॉल में अपने युद्धों के बारे में बहुत कुछ लिखा. उसके लेखन से हमें पता चलता है कि रोमन काल में कैसे लड़ाइयाँ लड़ी जाती थीं.

सीजर ने उन सभी जंगली जनजातियों का भी वर्णन किया जिन पर उसने विजय प्राप्त की थी. यहाँ तक कि उसने जंगलों में पाए जाने वाले अजीब जानवरों का वर्णन भी लिखा!

बी.सी. और ए.डी.

इतिहास में समय को वर्ष ईसा पूर्व (बी.सी.) और ईसा के बाद (ए.डी.) में विभाजित किया गया है. ईसा पूर्व ईसा पूर्व के वर्ष (बी.सी.), ईसा के बाद वर्ष (ए.डी.) होते हैं.

सीज़र 100 (बी.सी.) से 44 (ए.डी.) तक रहा.

BC: का अर्थ है 'ईसा से पहले', इसलिए 100BC का अर्थ है 'ईसा से 100 वर्ष पहले'.

जूलियस सीजर के जीवन काल की कुछ महत्वपूर्ण तिथियां:

100BC: गयुस जूलियस सीजर का जन्म 12 जुलाई को रोम में हुआ.

76BC: सीज़र को भूमध्य सागर में समुद्री लुटेरों ने पकड़ लिया.

60BC: सीज़र ने रोम के नेताओं - क्रैसस और पोम्पी के साथ मिलकर काम किया.

59BC: सीज़र को एक वर्ष के लिए कौंसल बनाया गया.

58BC: गॉल में लड़ाई शुरू.

49BC: सीज़र ने रूबिकॉन नदी को पार किया और पोम्पी के साथ युद्ध शुरू किया.

48BC: सीज़र ने फ़ार्सलस, यूनान में पोम्पी को हराया.

48BC: सीज़र, मिस्र में क्लियोपेट्रा से मिला और उनका एक बेटा हुआ.

46BC: सीज़र रोम लौट आया और फिर आजीवन तानाशाह बन गया.

44BC: सीजर की 13 मार्च को हत्या कर दी गई.